चिटठी आई है

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 110)

➢ नीचे रीना की चिट्ठी का सफर चित्रों में दिया गया है। पर ये क्या। सारे आगे-पीछे हो गए हैं। क्रम के अनुसार चित्रों के नीचे नंबर डालो।

उत्तर

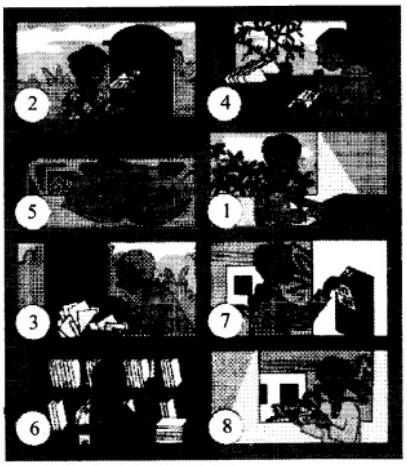

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 111)

➢ तुम्हें इन चिट्ठियों में क्या अंतर दिखाई दिया?

उत्तर चिट्ठियाँ कई तरह की होती हैं। उनके मुख्य प्रकार हैं–पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र, लिफाफा।

➢ किन-किन चिट्ठियों पर टिकट लगे हैं?

उत्तर सभी चिट्ठियों पर टिकट लगे हैं।

➢ क्या सभी टिकट एक जैसे हैं? उनमें क्या-क्या अंतर हैं?

उत्तर टिकट तरह-तरह के होते हैं। उनका मूल्य और आकार अलग-अलग होता है। उन पर चित्र भी अलग-अलग तरह के होते हैं।

➢ क्या तुमने चिट्ठियों पर डाकघर का ठप्पा लगा देखा है?

उत्तर हाँ, मैंने चिट्ठियों पर डाकघर का ठप्पा लगा देखा है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 113)

➢ दिए गए पोस्टकार्ड पर तुम अपना पता लिखो।

उत्तर

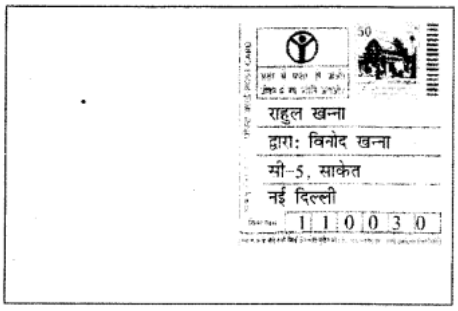

➢ रीना की चिट्ठी तो रेलगाड़ी से दिल्ली पहुँच गई, पर जब रेलगाड़ियाँ नहीं थीं तो दूर जगहों पर चिट्ठियाँ कैसे पहुँचती थीं?

उत्तर जब रेलगाड़ियाँ नहीं थीं तब कबूतर दूर जगहों पर चिट्ठियाँ ले जाने का काम करते थे। कभी-कभी आदमी भी चिट्ठियाँ पहुँचाने का काम करते थे।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 114)

➢ तुमने फोन कहाँ-कहाँ देखा है?

उत्तर टेलिफोन बूथ, स्कूल, घर, अस्पताल तथा कार्यालयों में।

➢ तुम फोन पर किस-किस से बात करते हो?

उत्तर अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से।

➢ तुम्हें चिट्ठी लिखना या फोन करना–दोनों में से क्या ज्यादा अच्छा लगता है?

उत्तर मुझे फोन करना ज्यादा अच्छा लगता है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 115)

➢ फोन भी अलग-अलग तरह के होते हैं। तुमने जो फोन देखे हैं उनका चित्र बनाओ।

उत्तर स्वयं करो।

➢ हमने चिट्ठी भी लिखी, फोन भी किया। बताओ कि चिट्ठी और फोन में कौन-सी बातें एक जैसी हैं और कौन-सी अलग?

उत्तर

टेलिफोन और चिट्ठी	
एक जैसी बातें	**अलग बातें**
दोनों संदेश पहुँचाते हैं।	फोन पर हम दूसरे की आवाज सुन सकते हैं, लेकिन चिट्ठी में नहीं।
दोनों दुनिया में हर जगह इस्तेमाल होते हैं।	चिट्ठी से संदेश पहुँचने में कई दिन लगते हैं, फोन से संदेश पलक झपकते पहुँच जाता है।